समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 30 September 2026

Meta का AI दांव : $100 मिलियन पैकेज पर टॉप टैलेटं की हायरिंग

Publisher

Published on 23 Aug 2025

Meta (पूर्व में Facebook) ने अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) प्रयासों में एक बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। CEO मार्क ज़ुकरबर्ग ने अपने "Meta Superintelligence Labs" (MSL) की संरचना में बड़े बदलाव किए हैं, और इसके तहत कंपनी ने शीर्ष AI शोधकर्ताओं को $100 मिलियन+ पैकेज की पेशकश करके आकर्षित किया है, जिससे टेक इंडस्ट्री में सनसनी मच गई है।

प्रमुख तीन घटनाएं

1. **AI संचालन की पुनर्गठन (Reorganization)**
   Meta ने अपने AI विभाग, विशेषकर Meta Superintelligence Labs (MSL), को चार अलग-अलग टीमों में विभाजित किया है—अध्ययन (Research), सुपरइंटेलिजेंस (Superintelligence), उत्पाद (Products) और इन्फ्रास्ट्रक्चर (Infrastructure)।
   यह कदम एक आंतरिक मेमो में बताया गया, जो Alexandr Wang (28 वर्ष) द्वारा जारी किया गया, जिन्हें Meta का मुख्य AI अधिकारी नियुक्त किया गया है ।
2. **शीर्ष AI प्रतिभाओं की भारी भर्ती**
   Meta ने Apple, OpenAI, Google DeepMind और अन्य प्रमुख संस्थानों से शीर्ष AI शोधकर्ताओं को लुभाने का अभियान चलाया। इसमें Apple के AI प्रमुख **Ruoming Pang** को $200 मिलियन+ वाले पॅकेज के साथ हायर किया गया है ।
   इसके अलावा, Trapit Bansal (पूर्व OpenAI) को लगभग ₹800 करोड़ (~$100 मिलियन) का ऑफर, और ex-Apple टीम के अन्य सदस्य Mark Lee और Tom Gunter को भी $100 मिलियन से अधिक के ऑफर दिए गए।
   यहाँ तक कि 24 वर्षीय AI प्रतिभा **Matt Deitke** को $125 मिलियन का ऑफर देने के बाद, ज़ुकरबर्ग की व्यक्तिगत

टच के बाद यह ऑफर $250 मिलियन में बदल गया, जिसे Deitke ने स्वीकार भी किया।

3. **भर्ती पर अस्थायी रोक (Hiring Freeze)**
   भारी भर्ती के बाद, एक रिपोर्ट के अनुसार Meta ने AI विभाग में भर्ती पर अस्थायी विराम लगा दिया—जिसमें आंतरिक ट्रांसफर भी शामिल थे। इसे कंपनी ने "आयोजनात्मक योजना" के तहत बताया है ।
   हालांकि, Meta ने इस रिपोर्ट का खंडन किया है और कहा कि ये गलतफहमी है, और AI निवेश जारी रहेगा ।

विस्तार से विश्लेषण

पुनर्गठन का उद्देश्य

Meta का उद्देश्य AI अनुसंधान को स्पष्ट रूप से परिभाषित और अधिक केंद्रित टीमों में विभाजित करना है। चार स्तंभ:

- **FAIR** (Facebook AI Research) द्वारा मूल शोध,
- **TBD Lab** (MSL का LLM समूह),
- **उत्पाद व एप्लिकेशन**,
- और **इन्फ्रास्ट्रक्चर**—ये सभी मिलकर सुपरइंटेलिजेंस की दिशा में काम करेंगे ।

भर्ती रणनीति और पैकेज का प्रभाव

Meta की यह भर्ती रणनीति Silicon Valley में अपेक्षाकृत अभूतपूर्व है।

- Ruoming Pang को $200 मिलियन+ ऑफर,
- Trapit Bansal को ₹800 करोड़ (~$100 मिलियन),
- Matt Deitke को $250 मिलियन ऑफर—ये सभी अत्यंत उच्च-स्तरीय पेशकशें हैं ।
  OpenAI CEO Sam Altman ने भी एक पॉडकास्ट में बताया कि Meta ने उनके कर्मचारियों को $100 मिलियन साइन-ऑफ बोनस सहित विशाल पैकेज की पेशकश की, हालांकि OpenAI की प्रतिभाओं ने मना कर दिया ।
  Meta के CTO Andrew Bosworth ने बताया कि यह सब सामान्य नहीं है—सिर्फ कुछ प्रमुख नेतृत्व भूमिकाओं को ही इस तरह के प्रीमियम पैकेज दिए जा रहे हैं, और यह साइन-ऑफ़ बोनस नहीं है, बल्कि कई तरह के घटकों से मिलकर बना है ।

मार्क ज़ुकरबर्ग की व्यक्तिगत भागीदारी

Zuckerberg स्वयं AI प्रतिभाओं के भर्ती अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वह निशाने पर रखे गए प्रतिभावानों को व्यक्तिगत रूप से ईमेल, व्हाट्सएप, या संदेश भेजकर संपर्क करते हैं, और "Recruiting Party" नामक समूह चैट में टीम के साथ मिलकर भर्ती की रणनीति तय करते हैं|

प्रशिक्षण और निवेश (Training & Investments)

Meta का उद्देश्य केवल **टॉप टैलेटं को भर्ती** करना नहीं है, बल्कि उन्हें मजबूत तकनीकी ढांचा और संसाधन उपलब्ध कराना भी है। इसके लिए कंपनी ने दो बड़े कदम उठाए हैं:

1. Scale AI मे निवेश

- Meta ने **$14.3 बिलियन** (लगभग ₹1.2 लाख करोड़) का निवेश **Scale AI** में किया।
- Scale AI एक अमेरिकी कंपनी है जो मशीन लर्निंग मॉडल्स को ट्रेन करने के लिए डेटा लेबलिंग, डेटा मैनेजमेंट और सुपरकंप्यूटिंग रिसोर्सेज उपलब्ध कराती है।

- Scale AI के **संस्थापक Alexandr Wang** को Meta में एक प्रमुख रणनीतिक भूमिका दी गई है। यह दिखाता है कि Meta AI को सिर्फ एक प्रोडक्ट के रूप में नहीं, बल्कि एक **दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे (Infrastructure)** के रूप में देख रहा है।

2. कैपिटल एक्सपेंडिचर (Capital Expenditure) 2025

- Meta ने घोषणा की है कि **2025 में $64–$72 बिलियन** (₹5.3–₹6.0 लाख करोड़) की राशि AI प्रोजेक्ट्स और डेटा सेंटर्स पर खर्च की जाएगी।
- इसमें शामिल हैं:
    - **सुपरकंप्यूटिंग क्लस्टर** (AI मॉडल्स को तेजी से ट्रेन करने के लिए)
    - **GPU और चिप्स पर भारी खर्च** (NVIDIA H100 और अगली पीढ़ी की AI चिप्स)
    - **ग्लोबल डेटा सेटर्स का विस्तार** (ताकि Meta के उत्पाद जैसे Facebook, Instagram, WhatsApp में जेनरेटिव AI और सुपरइंटेलिजेंस फीचर्स जोड़े जा सकें)।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.